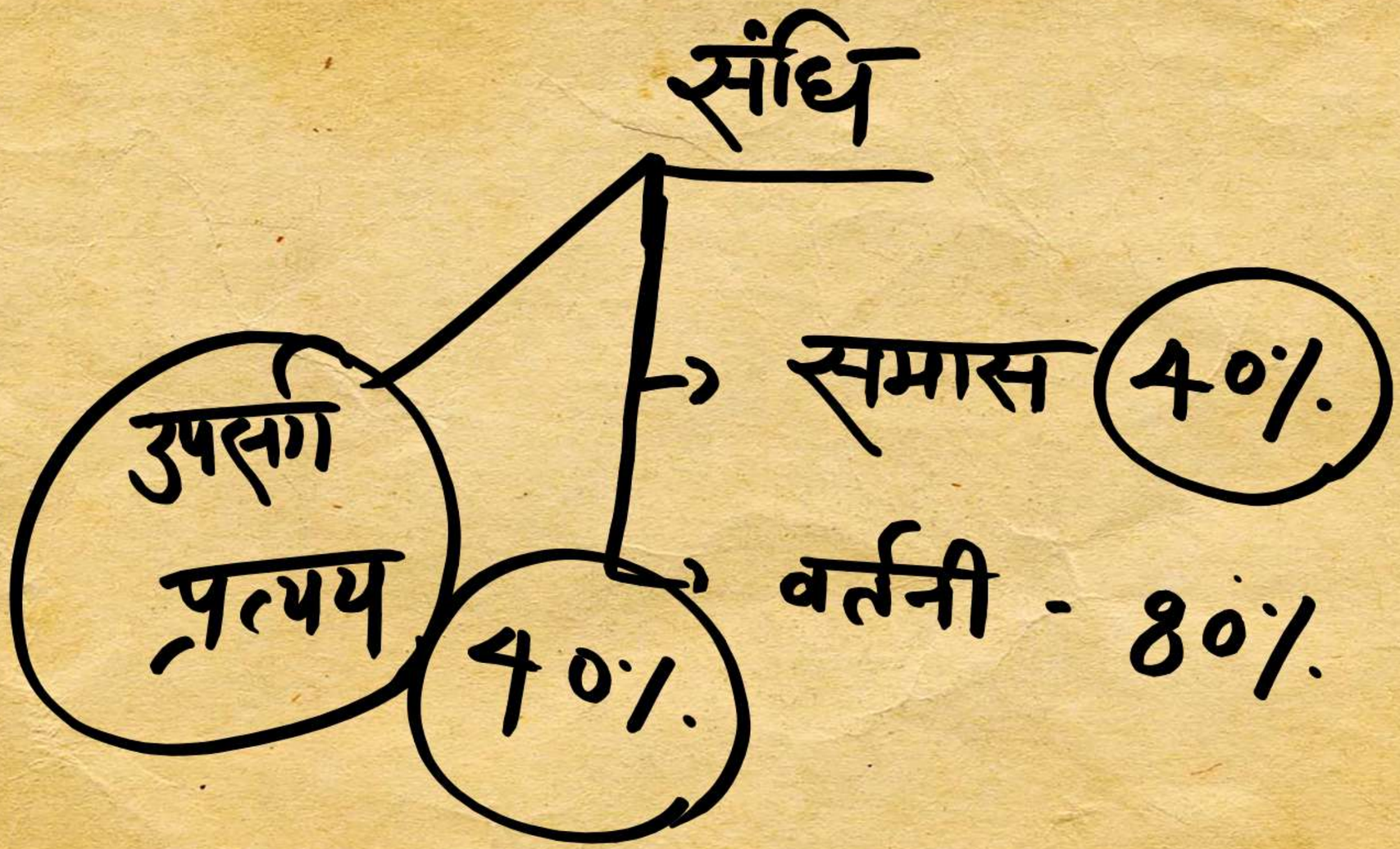

संधि

- उपसर्ग प्रत्यय — 40%
- समास — 40%
- वर्तनी - 80%

संधि किसे कहते हैं?

जोड़

↳ संबंध

↳ समझौता

संधि

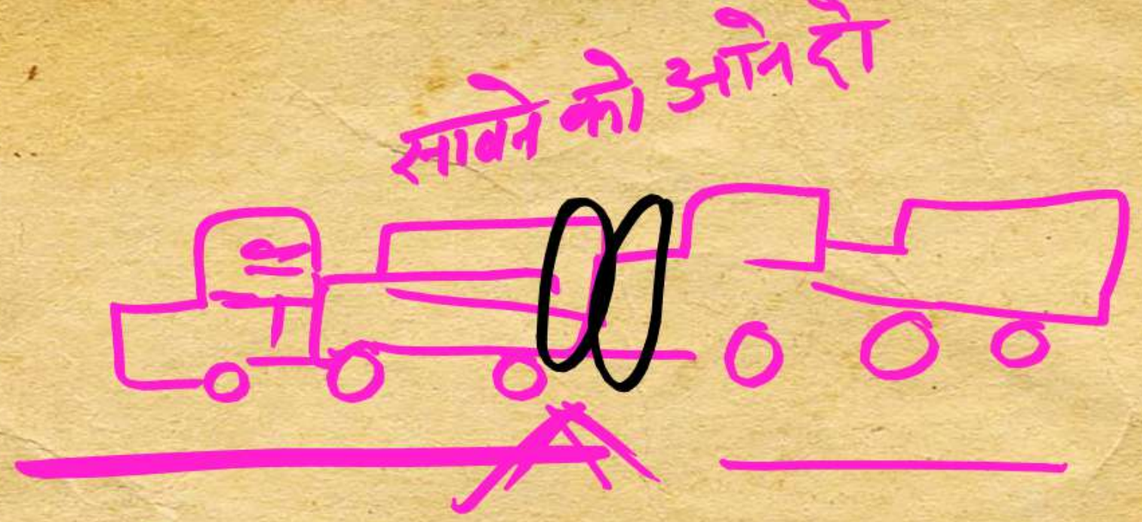

पहला पद

इसरा पद

पहले वाले पद का अन्तिम वर्ण और इसरे पद प्रथम वर्ण के मेल पैदा हुए विकारी शब्द को संधि कहते हैं।

द्+या
द्या

⇒ दो वर्णों के मेल से पैदा हुए विकार को संधि कहते हैं।

विद्यालय
विद्यालय ⇒ विद्या + आलय   वर्ण वि-यास

व्+इ+द्+य्+अ+आ+ल्+अ+य्+अ

अ+आ=आ

संधि के प्रकार

इ + अ
उ + आ
ऊ + अ
अ + अ

दोनों पदों में से एक पद वर्ण का व्यंजन होना

(:) ✓

स्वर संधि

✓ स्वर + ✓ स्वर

दोनों पदों के दोनों वर्ण स्वर रहेंगे।

व्यंजन संधि

अनिवार्य

✓ व्यंजन + स्वर
✓ व्यंजन + व्यंजन
✓ स्वर + व्यंजन
स्वर ✗ + ✗ स्वर

विसर्ग

व्यंजन: + स्वर
स्वर: + स्वर
स्वर: + व्यंजन
व्यंजन: + व्यंजन

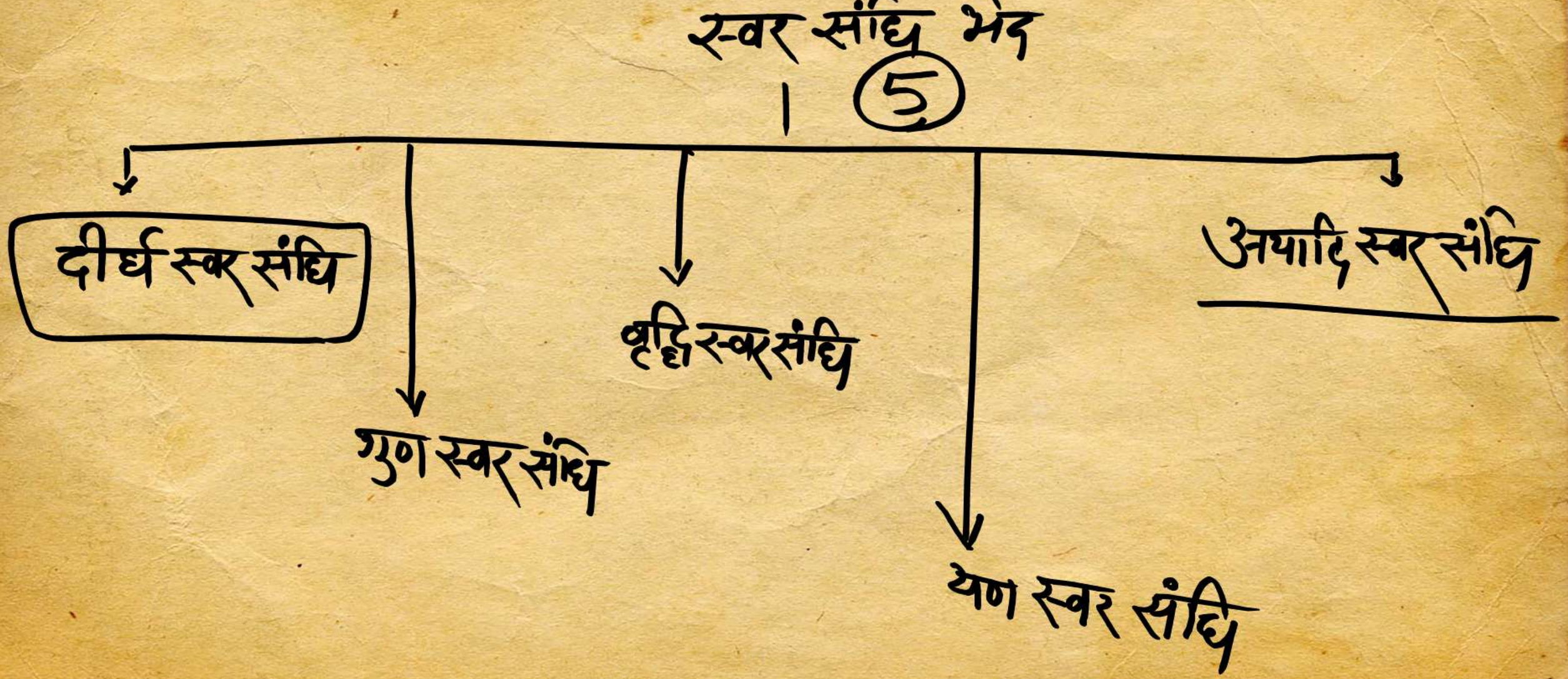
स्वर संधि भेद
5
दीर्घ स्वर संधि
गुण स्वर संधि
वृद्धि स्वर संधि
यण स्वर संधि
अयादि स्वर संधि

दीर्घ स्वर संधि

बड़ा ← दीर्घ

अ + अ = आ ✓	अ + आ = आ ✓
इ + इ = ई ✓	इ + ई = ई ✓
उ + उ = ऊ ✓	उ + ऊ = ऊ ✓
आ + आ = आ ✓	आ + अ = आ ✓
ई + ई = ई ✓	ई + इ = ई ✓
ऊ + ऊ = ऊ ✓	ऊ + उ = ऊ ✓

⇒ सजातिय स्वर का मिलन होता है।

अ + अ ✓

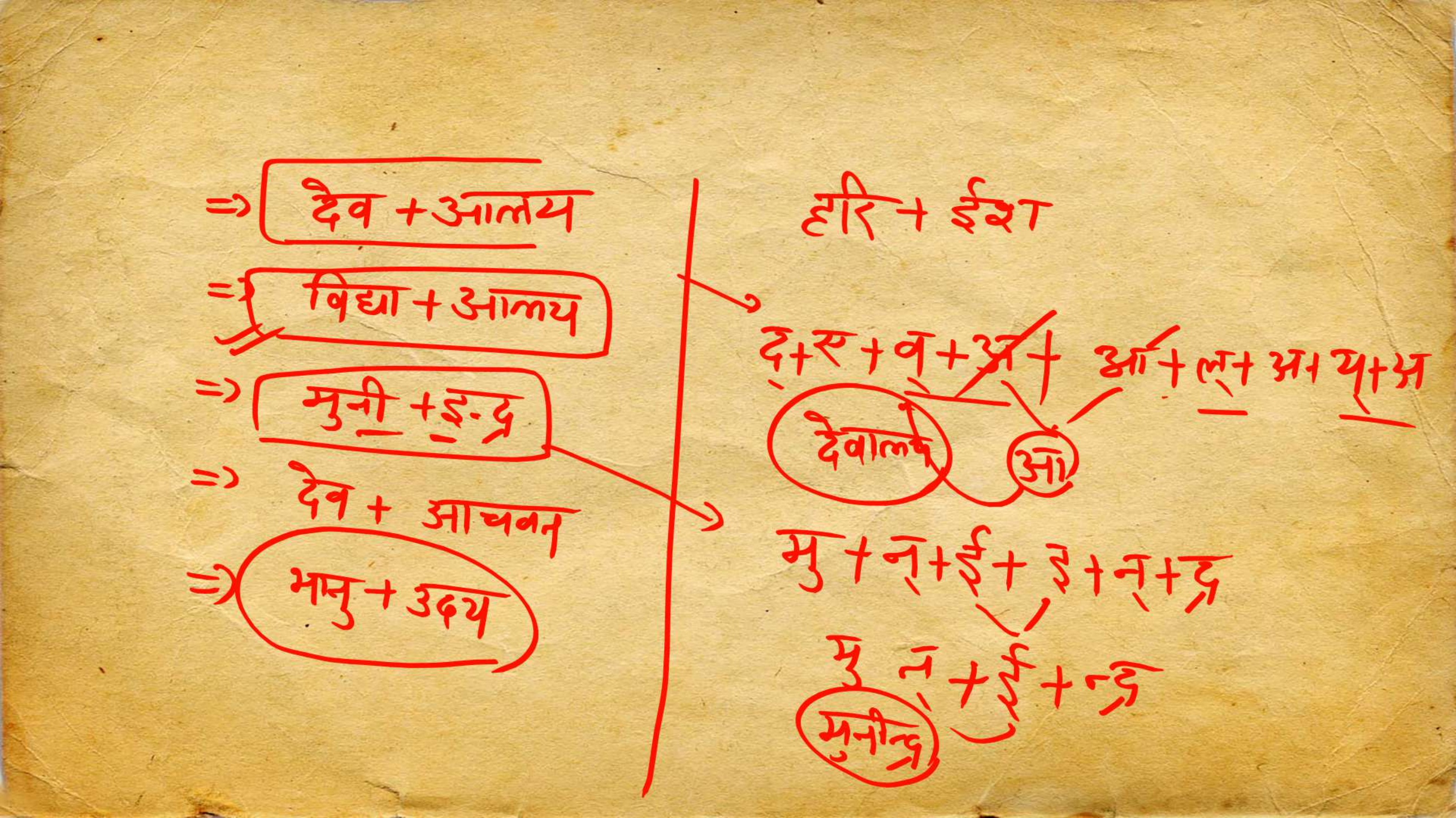

=> देव + आलय

=> विद्या + आलय

=> मुनी + इन्द्र

=> देव + आचमन

=> भानु + उदय

हरि + ईश

द्+ए+व्+अ+ आ+ल्+अ+य्+अ

देवालय

आ

मु+न्+ई+ इ+न्+द्र

मु न्+ई+न्द्र

मुनीन्द्र

भानु + उदय

भा + न् + उ + उ + दय

भा + न् + ऊ + दय

भानूदय

ऊ ✗

दीर्घस्वर संधि में
हमेशा, आ, ई, ऊ
मात्रा का ही प्रयोग
होगा अन्य मात्राएं नहीं
लगेंगी जैसे ए, ओ, औ

गुण स्वर संधि

अ+ए = ऐ ×

अ+इ = ए
आ+इ = ए
आ+ई = ए
अ+ई = ए ✓
अ+उ = ओ
आ+उ = ओ
आ+ऊ = ओ
अ+ऊ = ओ

अ + ऋ = अर्

परोपकार
पर + उपकार
प+र्+अ+उ = पकार

प्र + ईक्षा = प्+र्+अ+ई+क्षा
ए
प+रे+क्षा
प्रेक्षा ✓

गज+ इन्द्र
ग+ज्+अ+ई+न्द्र
गजेन्द्र

नर + ईश = नरेश

गण + ईश = गणेश

यथा + इच्छा = यथेच्छा

ऋषिका + ईश = ऋषीश

महा + ऋषि

म + हा + ऋ + षि

म + ह् + आ + ऋ + षि

अर

महर्षि

देव + ऋषि

उत्तम + ऋण

उत्त + म + अ + ऋ + ण

अर

उत्तमर्ण